

**“ रेवती सरन शर्मा के ‘चिराग की लौ’ नाटक का
कथ्य, शिल्प और मंचीयता। ”**

**शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्. फिल्. (हिन्दी)
उपाधि के लिए प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध**

शोध-छात्र

श्री. चतुर्भूज हंबीरराव गिड्डे
एम्. ए. (हिन्दी)

शोध-निर्देशक

डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण
एम्. ए., पीएच्.डी.
अधिव्याख्याता, हिन्दी विभाग
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
तथा
प्रधान सचिव महाराष्ट्र हिन्दी परिषद

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

मार्च, १९९६